जुड़ना । बांटना । सन्लग्न । पूछना । खोजना । अनुभव । प्रयोग

सशक्त । अभिव्यक्त । चर्चा । सहयोग । समझना । कारण । निर्माण । सीखना । अविष्कार

कदम

Step-Up Programme

मूलभूत शिक्षण का निर्माण

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

कदम स्टेप-अप प्रोग्राम

–संक्षिप्त विवरण

कदम स्टेप-अप कार्यक्रम प्राथमिक पाठशाला स्तर के बच्चों में शैक्षणिक कौशल भरने के साथ उनको समग्र विकास के लक्ष्य की ओर अग्रसर करता है। यह कार्यक्रम बच्चों को गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने के साथ उनमें मूलभूत शिक्षण कौशल भी भरता है जिससे उनको आयु स्तर अनुसार पाठशाला से जोड़ा जा सकें।

कदम स्टेप-अप एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें बच्चे सप्ताह में छः दिन मग्न होकर अध्ययन करते हैं। औपचारिक शिक्षा से जीवन की वास्तविकताओं और अनुभव आधारित कौशलों का समावेश करके इस कार्यक्रम का निर्माण किया गया है।

अवधारणा

- यह कार्यक्रम विषय आधारित दक्षताओं और सामाजिक दक्षताओं के विकास हेतु जीवन के अनुभवों व विषयागत अधिगम का एक मिश्रण है।
- दोनो ज्ञान क्षेत्रों को सम्बोधित करने के लिए कार्यक्रम को 10 चरणों व 11 प्रसंगाधारित शीर्षकों से सुसज्जित किया गया है।
- दोनो अव्यव एक दूसरे के पूरक हैं और दोनो समवर्ती रुप से पेश किए गए हैं।
- समस्त कार्यक्रम 10 चरणों पर आधारित हैं जिसमें चार विषयों – अंग्रेजी, हिन्दी, गणित व पर्यावरण ज्ञान की 540 दक्षताऐं समाहित हैं और साथ ही प्रसंग (थीम) आधारित शिक्षण के तहत कार्यक्रम में प्रत्येक माह की विशेष थीम होती है। दस चरणों व वैषयिक योजना को एन.सी.ई.आर.टी. के द्वारा जारी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम 2005 की रुपरेखा के अनुरुप ढाला गया है।

मार्गदर्शक सिद्धांत

- बाल उन्मुख, परिणाम आधारित अधिगम
- गतिविधि आधारित अधिगम प्रक्रिया
- शिक्षार्थी का चहुमुखी विकास
- शिक्षार्थी में सामर्थ्य व आत्मनिर्भरता का निर्माण
- शिक्षण को दृश्यमान बनाना

कार्यक्रम की रुपरेखा

शिक्षण का नमूना :

औपचारिक अध्ययन	थीम आधारित अध्ययन
10 प्रगतिशील चरण	11 महीनो की 11 थीम
एक चरण से दूसरे चरण की तरफ बढ़ने की, बच्चे की स्वयं की गति	थीम को 4 सप्ताह के लिए विस्तृत किया जाता है
बुनियादी शिक्षणः भाषाऐं, गणित व पर्यावरण ज्ञान	प्रत्येक थीम कार्यक्रम में निहित कौशल निर्माण घटकों का निर्माण करता है
सप्ताह के 5 दिन व माह के तीन सप्ताहों मे अभ्यास	गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार को व माह के अन्तिम पूरे सप्ताह मे की जाती है

हमारा दृष्टिकोण

प्राथमिक पाठशाला स्तर की कक्षाओं हेतु आवश्यक विभिन्न आयुवर्ग व स्तरों के मूलभूत कौशलों को विभिन्न 10 चरणों में व्यवस्थित किया गया है। 2 चरण मिलकर पाठशाला की एक कक्षा को पूर्ण करते हैं, इस प्रकार 10 चरणों में प्राथमिक पाठशाला की 1 से 5 कक्षाऐं पूर्ण होती हैं।

10 चरणों को भाषाओं, गणित व पर्यावरण ज्ञान के दक्षताओं रुपी प्रगतिशील घटकों के रुप मे सूचीबद्ध किया गया है। जब बच्चा एक चरण का अध्ययन कर लेता है तो अगले चरण की तरफ बढ जाता है।

चरण	कक्षा का पाठ्यक्रम	कक्षा हेतु अर्हता
1	1	2
2		
3	2	3
4		
5	3	4
6		
7	4	5
8		
9	5	6
10		

प्रत्येक बच्चें से सभी 10 चरणों को उत्तीर्ण करने की अपेक्षा नही की जाती।

कोई बच्चा अपनी आयु से अधिक योग्यता या क्षमता प्रदर्शित करता है तो उसे आगे बढनें के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कक्षा 1-5 तक के पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है।

बच्चे के लिए प्रवेश बिन्दु उसके द्वारा दिए गये बेसलाइन मुल्यांकन पर निर्भर करता है।

बच्चे की उम्र अनुसार उसका निकासी बिन्दु निर्धारित किया जाता है। उसे आवश्यक निर्धारित चरणों को अर्जित करना होता है।

2 चरणों का एक सैट एक कक्षा स्तर को पार करने में सक्षम करता है।

थीम आधारित अध्ययनः

थीम आधारित अध्ययन जीवन निर्माण कौशलों को सम्बोधित करता है तथा निम्नलिखित दृष्टिकोण और व्यवहार के निर्माण करने का अवसर प्रदान करता हैः

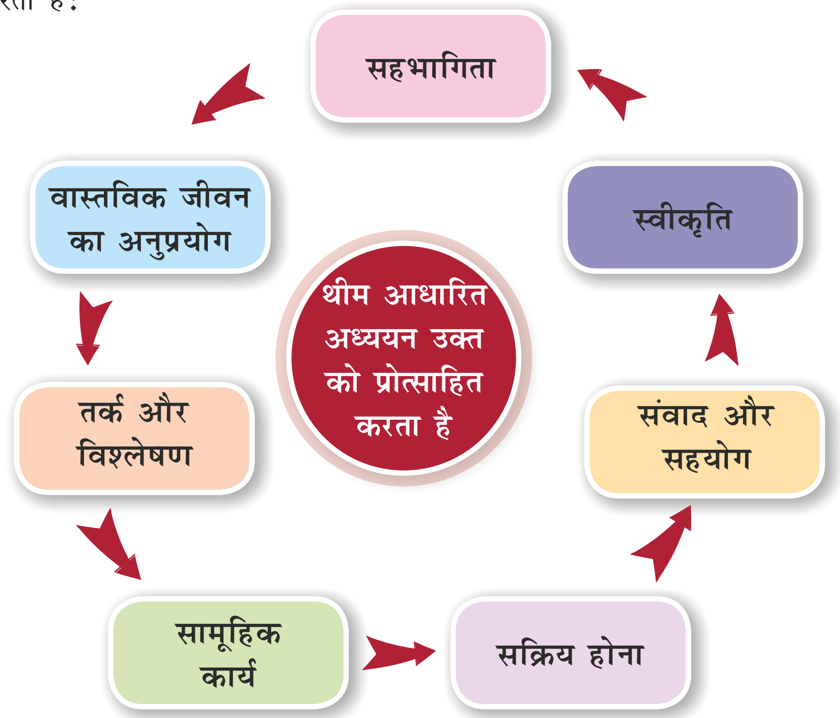

थीम आधारित और औपचारिक अध्ययन को सम्मिश्रित करने की प्रणालीः

- पढे हुए विचारों को आकार देना – सिद्धांतो के नमूनों की रचना करना, उपकरण और ढांचा, कला और शिल्प की वस्तुऐं, खेल द्वारा विषयों को दोहराना।
- समाज से जुड़ना – समुदाय के लोगों से मिलकर अनुभवों का लाभ लेना, लोगों से सीखना, साक्षात्कार करके जानकारी एकत्रित करना, समाज के हित के लिए योजना बनाकर उसे कार्यान्वित करना।
- प्राकृतिक अध्ययन – प्रकृति हमारी सबसे अच्छी पुस्तक व अध्यापिका भी है। जब हम कक्षा से निकलकर प्रकृति के बीच में जाते हैं तब हमें विज्ञान, गणित और भाषा का ज्ञान भी मिलता है।
- खेलकूद व अन्य गतिविधियाँ – ये बच्चे के शारीरिक विकास के साथ उनके आत्मविश्वास, आत्म सम्मान व मानसिक चेतना में वृद्धि करके बच्चों का समग्र विकास करती हैं।
- पुस्तकों से अतिरिक्त शिक्षा – संगीत एवं नृत्य, कथानक और नाटक प्रस्तुति।

कार्यक्रम की संरचना

प्रत्येक सप्ताह के प्रथम 5 दिन बच्चें पुस्तक के माध्यम से भाषा, गणित और पर्यावरण ज्ञान सम्बंधित कौशलों का विकास करते है। शिक्षण के इस भाग में 10 चरणों की सहायता से बच्चे औपचारिक शिक्षा व्यवस्था के पहली से पांचवी कक्षा वर्ग के ज्ञान के सम्बंध में अपनी प्रगति को आंक सकते हैं। मेरी चेकलिस्ट, जो कि बच्चों की पुस्तक में दी गई है, निष्पक्ष रुप से स्वयं को परखने में सहायक है।

मासिक कार्यक्रम कैलेण्डर

दिन / सप्ताह	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सप्ताह 1	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	थीम आधारित अध्ययन
सप्ताह 2	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	थीम आधारित अध्ययन
सप्ताह 3	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	औपचारिक शिक्षा	थीम आधारित अध्ययन
सप्ताह 4	थीम आधारित अध्ययन	थीम आधारित अध्ययन	थीम आधारित अध्ययन	थीम आधारित अध्ययन	थीम आधारित अध्ययन	बाल दिवस

■ (पीला) औपचारिक शिक्षा ■ (लाल) थीम आधारित अध्ययन ■ (हरा) बाल दिवस

सीखने की प्रक्रियाः

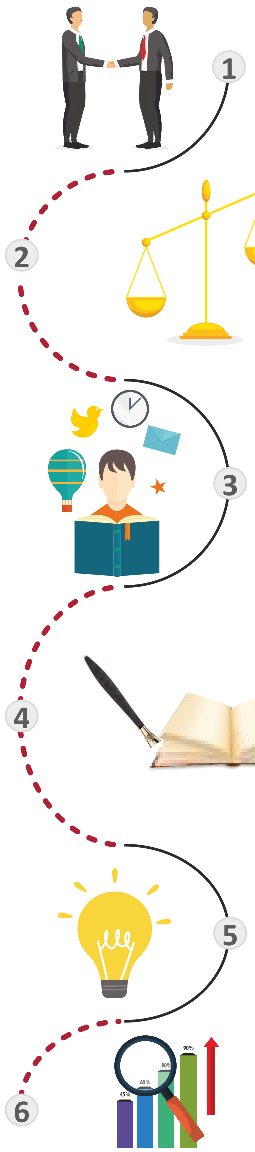

उन्मुखीकरण और प्रशिक्षणः
- सभी हितधारकों को कार्यक्रम का उन्मुखीकरण
- शिक्षकों को प्रशिक्षण
  - o प्रारम्भिक, व्यापक
  - o लगातार, रिफ्रेशर

बेसलाइन मुल्यांकनः
- बच्चों के शुरुआती ज्ञान के स्तर को जांचने के लिए
- बच्चों को उनके ज्ञान व आयनुसार उचित चरण स्तर (स्टेप) से शुरुआत करने के लिए

त्वरित व प्रगतिशील शिक्षणः
- प्रत्येक चरण में कार्य आधारित शिक्षण
- प्रगतिशील कदम कक्षानुसार दक्षताओं को पूरा करता है

निरन्तर मुल्यांकनः
- बच्चे स्वयं मुल्यांकन करते हैं
  मेरी चेकलिस्ट
  मेरी प्रगति प्रदर्शिका (टी.एम.पी. कार्ड) के द्वारा
- बच्चों का प्रत्येक कक्षा स्तर पूर्ण करने के बाद आंकलन किया जाता है
- एम.आई.एस. (M.I.S.) बच्चे की कार्यक्रम के दौरान प्रगति को जांचने का कार्य करता है

एण्डलाइन मुल्यांकन :
यह बच्चे का आंतरिक व सरकारी पाठशाला द्वारा मुख्यधारा मे जोड़ने से पहले किया जाता हैः
- बच्चे का अन्तिम शिक्षण स्तर जांचने के लिए
- कार्यक्रम की प्रभावशीलता जानने के लिए

दाखिला उपरान्त अवधारण (रिटेंशन) जांच :
- दाखिला उपरान्त पाठशाला में बच्चे की हाजरी की निरन्तरता अर्थात अवधारण (रिटेंशन) जांचने के लिए निगरानी हेतु विजिट की जाती है

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताऐं

स्वगति, बहुकक्षीय शिक्षण: कदम कार्यक्रम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि बच्चे को बहुकक्षा स्तर का शैक्षणिक माहौल मिल सके व बच्चा एक चरण से अगले चरण की तरफ सीखता हुआ चले। चूंकि एक ही कक्षा मे विभिन्न स्तर के बच्चे होते हैं कार्यक्रम उनको अपने तरीके से सीखने की आजादी प्रदान करता है। कक्षा में अनेक प्रकार के बच्चे जैसे कुछ कुशाग्र बुद्धि, कुछ मध्यम गति से सीखने वाले, कुछ बच्चे कक्षा में लगातार आतें हैं तो कुछ बच्चें अनियमित होते हैं, इसी प्रकार कुछ बच्चे विषय को तीव्रगति से समझ जाते हैं तो कुछ बच्चे प्रयास के बाद समझ पाते है। इस प्रकार बच्चे की स्वगति, बहुकक्षीय व्यवस्था को बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

क्षमता आधारित सीखने की प्रक्रिया

कक्षा में तिकड़ियाँ

तिकड़ियाँ: बहुकक्षा स्तर व स्वगति व्यवस्था बनाने व बहुकक्षा व्यवस्था को प्रभावी करने के लिए कक्षा में बच्चों को तिकड़ी (तीन बच्चे मिलकर एक समूह) व्यवस्था में बांटा जाता है। तिकड़ी बनाते समय यह ध्यान रखा जाता है कि तिकड़ी के सदस्य अलग-अलग ज्ञान व आयु स्तर के हों। टीम की भावना व सहउम्र शिक्षण का एक दूसरे बच्चे को सामाजिक व्यवहार्य व जीवन में चुनौतियों को समझने व उनका विश्वास बढानें में सहायक होती है व साथ ही तिकड़ी व्यवस्था बच्चों का व्यक्तिगत विकास करने में भी सहायक होती है।

निरन्तर शैक्षिक माहौल का निर्माण: जहां तिकड़ी व्यवस्था कक्षा में सहउम्र शिक्षण को बढावा देती है वहीं कदम कार्यक्रम कक्षा में सकारात्मक व अनवरत शैक्षणिक माहौल का निर्माण करता है। तिकड़ी में रहते हुए बच्चा अपनी क्षमता को बढाता है और इस प्रकार बच्चा उच्च स्तर की दक्षताओं को हासिल करते हुए अपनी उम्र के अनुसार शिक्षा के स्तर को हासिल करता है। कक्षा में ऐसा माहौल निरन्तर बना रहता है और सभी बच्चे सीखकर आगे बढने की प्रक्रिया मे निरन्तर लगे रहते हैं।

गतिमान सहउम्र शिक्षण

विद्यार्थी स्वयं की प्रगति का आंकलन करते हैं

बाल संचालित अधिगम प्रक्रिया: कदम कार्यक्रम में बच्चे स्वयं उनकी अधिगम प्रक्रिया को चलाने मे सक्षम होते हैं। अधिगम प्रक्रिया का अनुक्रम सरल है- छात्र पुस्तिका मे प्रयास से पहले बच्चा मेरी चेकलिस्ट में दी गई दक्षताओं को तय करता है कि उसे क्या करना है औरउसके बाद उससे सम्बंधित अभ्यास को करता है। जब एक बार इससे सम्बंधित सभी अभ्यास पूरे हो जाते हैं तब वे मेरी चेकलिस्ट मे वापस जाकर किए गये कार्यो के सामने तारीख अंकित करता है व इस प्रकार स्वयं का मुल्यांकन करता है। बच्चों के स्वयं मुल्यांकन करने का एक और उपकरण ट्रेकिंग ऑवर प्रोग्रेस (टोप) चार्ट होता है। जब बच्चा कार्यक्रम में जुडता है तब इस चार्ट पर अंकित कर दिया जाता है कि बच्चे का स्तर व प्रगति क्या है और बच्चा कार्यक्रम पूरा कब कर पायेगा।

शिक्षक एक सहनिर्माता व सुविधादाता के रुप में : कदम कार्यक्रम मे शिक्षक की भूमिका एक परम्परागत शिक्षक से बिल्कुल भिन्न है। कदम में शिक्षक सुविधादाता व मार्गदर्शक के रुप में भूमिका निभाते हुए बच्चों पर अपने विचार ना थोपकर उनकी शंकाओं का समाधान करता है व बच्चों को अवसर प्रदान करता है जिससे वो पता लगा सकें, खोज कर सकें, अनुभव व प्रयोग करने में रुचीकर भूमिका निभा सकें। इसी प्रकार कदम शिक्षक कक्षा में शैक्षणिक माहौल व गतिविधि के द्वारा बच्चों को शिक्षण कौशल हासिल करने में मदद करता है।

शिक्षक थीम शिक्षण का सहनिर्माता है

बाल दिवस पर उत्पादों का प्रदर्शन

बाल दिवस: बाल दिवस प्रत्येक माह के अन्त में मासिक थीम के शीर्षक अनुसार अर्जित ज्ञान की जांच व प्रदर्शन हेतु आयोजित किया जाता है। इस दिन अभिभावक व समुदाय के अन्य लोंगों को आमंत्रित किया जाता है। बाल दिवस बच्चों द्वारा मनाया जाने वाला दिवस है जिसमें वो उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों व उनकी प्रतिभा को अपने अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है। बाल दिवस अभिभावकों व समुदाय के लोगों को पाठशाला सम्बंधित गतिविधियों में भागीदारी कर उनको शामिल करने का कार्य भी करता है।

समग्र शिक्षण: संज्ञानात्मक कौशलों में वृद्धि के साथ कार्यक्रम विषयागत शिक्षण के माध्यम से बच्चों में सामाजिक, भावनात्मक और जीवन के वास्तविक कौशलों में वृद्धि करता है। बच्चों को समुदाय के साथ जोड़कर व उनको लोगों द्वारा किए गये अनुभवों से परिचित करवाकर बच्चों में जीवन कौशल व ज्ञानवृद्धि भी करता है। थीम दिवस, छात्र प्रतिस्पर्धा, शिक्षक अभिभावक बैठक और बाल दिवस ऐसे आयोजन हैं जो बच्चों को समुदाय के लोगों से जोड़ते हैं। किताबों से दूर शिक्षण – गायन और सुनना, चित्रांकन व रंगकारी, निर्माण करना, पटकथा लिखना व नाटक प्रस्तुत करना कुछ ऐसी गतिविधियां हैं जो विद्यार्थी को अधिक सक्रिय बनाकर समग्र विकास की तरफ अग्रसर करती हैं।

शिक्षण कक्षा की दीवारों के बाहर भी होता है

पाठशालाओं मे दाखिला उपरान्त बच्चों के अवधारण (रिटेंशन) को जाँचना: कदम कार्यक्रम का एक अन्य महत्वपूर्ण घटक पाठशालाओं मे दाखिला उपरान्त बच्चों के अवधारण (रिटेंशन) पर नजर रखना है। बच्चों को उसकी आयुनुसार कक्षा में दाखिल कर दिया जाता है तो उसका शिक्षक या अन्य व्यक्ति मासिक तौर पर उसकी उक्त कक्षा में हाजरी पर नजर रखता है। एक उचित अवधारण जांच व रिर्पोटिंग घटक मेरी प्रगति पुस्तिका मे अंकित बच्चों की प्रगति की झलक है जो बच्चे के पास रखी जाती है। बच्चें के अवधारण पर नजर बच्चें के पाठशाला छोडनें (ड्रॉप-आउट) की दर पर भी नजर रखने में सहायक है।

आवश्यकता आधारित अनुकुलन: जैसा कि कार्यक्रम बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा के लिए आधारभूत शैक्षिक कौशलों को मजबूती देता है उसी के साथ इसका मापक ढांचा जिस पर कि कार्यक्रम आधारित है ये इसके तत्वों और उपकरणों का प्रयोग करने की उच्चतम स्तर की स्वतंत्रता देता है जो कि शिक्षा व्यवस्था में जरुरत के आधार पर रखे गये है। अतः कदम कार्यक्रम में पाठशाला से बाहर (पाठशाला छोड़ चुके या जिन्होंने दाखिला नहीं लिया है) बच्चों को सरकारी पाठशाला स्थित कदम केन्द्र में नामांकित करके उनमें शैक्षिक व सामाजिक कौशलों व आधारभूत शैक्षिक कौशल भरके और उनको आयु अनुसार ज्ञानपोषित करके सक्षम बनाता है।

परिचालन की रुपरेखा

कदम रुपी पहल का उद्देश्य यह है कि भारत में प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा मिलनी चाहिए। भारत जैसे विख्यात और विविधता वाले देश में, यह सब तभी सम्भव है जबकि प्राथमिक स्तर के सरकारी पाठशालाओं जैसी सबसे बडी श्रंखला को मदद दी जाये।

ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया ने राष्ट्रीय व राज्यस्तर की नीतियों और पाठ्यक्रम मानकों के संरेखण में पूरी बारीकी के साथ सीखने के उपकरणों और ऑपरेशनल मॉडल का सावधानीपूर्वक निर्माण किया है। इस प्रकार यह कक्षाओं में कार्यक्रम के क्रियान्वयन को सुलभ बनाता है।

राष्ट्रीय नीतियों के साथ मिलान:

कदम कार्यक्रम मॉडल को शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आर.टी.ई.) के मापदण्डों के अनुरूप बनाया गयाहै ताकि हर बच्चे को नि:शुल्क व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कदम आधारित परियोजना में नामांकित बच्चों को उन बच्चों के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले जैसी कि नियमित विद्यालयों के बच्चों को प्राप्त होती है। इसके लिए कदम कार्यक्रम में सीखने के उपकरणों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम मानकों के अनुसार व परिचालन मॉडल की रचना सर्व शिक्षा अभियान के बजट व परिचालन मापदण्डों के अनुरूप की गई है।

सरकार के साथ सहभागिता:

कदम की दृष्टि व दृष्टिकोण सरकारी पाठशालाओं व समाज के हितधारकों के माध्यम से शिक्षा के अधिकार को सुरक्षित करने पर जोर देता है। इसलिए ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया राज्य सरकार (शिक्षा विभाग के राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों और सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय) के साथ साझेदारी में कार्य करता है। ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया विभिन्न राज्य सरकारों को सह क्रियान्वियकर्ता के रुप में शामिल करके (सभी प्रक्रियाएं और गतिविधियाँ मुख्य रूप से सरकारी प्राथमिक विद्यालय के कर्मचारी द्वारा की जाती है) और राज्य, पाठशाला स्तर की सभी लागतों में वितपोषण हेतु निवेश करता है, जिसमें कदम कार्यक्रम में सीखने के उपकरण (टूल-किट) के रूप में शामिल किया जाता है। ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया की मुख्य भूमिका एक सूत्रधार की है जो, तकनीकी व परिचालन में सहयोग प्रदान करता है।

लचीला अभिगृहण:

कदम लर्निंग टूल्स (जो अगले खंड में वर्णित हैं) को एक मॉडयूलर ढंग से डिजाइन किया गया है जो विभिन्न स्थितियों में लगातार अपनाने/अनुकूलन की अनुमति देता है। कदम को राज्य सरकारें सरकारी विद्यालयों के बाहर के बच्चों के शिक्षण में नामांकन करने और शिक्षा की कमी को पूरा करने के लक्ष्य के तहत अपना सकती हैं। यह स्कूलों में भी अपनाया जा सकता है जहां बच्चे उचित रूप से लक्ष्यहीन शिक्षा अनुभव के कारण स्कूल से छूटने की संभावना होती है। यह नियमित कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा भी अपनाया जा सकता है जैसा कि उपचारात्मक शिक्षा पहल के भाग के रूप में। प्रोग्राम के क्षमता-आधाारित दृष्टिकोण ने इसे बहु-वर्गीय कक्षा के सेटअप में शिक्षा परिणामों को बढ़ाने में सक्षम बनाया है। इसके अलावा, कदम उच्चतर ग्रेडों में प्रगतिशील शिक्षा की सुनिश्चितता के लिए बच्चों के लिए एक मजबूत, मूलभूत प्लेटफार्म प्रदान करता है।

संभावना कार्यक्रम एक मधयमिक शिक्षा उन्नति कार्यक्रम है जो शिक्षा के बाहर के बच्चों के लिए और साथ ही साथ सामयिक स्कूलों में शिक्षा की कमियों वाले बच्चों के लिए होता है, और यह कदम के मूलभूत शिक्षा पर आधाारित है जो प्रगतिशील शिक्षा के लिए मजबूत आधाार प्रदान करता है।

समर्थ गर्ल्स एजुकेशन प्रोग्राम एक ऐसा आयोजित, उपचारात्मक शिक्षा और जीवन कौशल विकास कार्यक्रम है जो मधयम और उच्चतर माधयमिक स्तर की लड़कियों के लिए है, जो लिंग समानता पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लक्ष्य को साधाने के लिए है, और यह कदम के साथ प्राथमिक स्तर की सुनिश्चितता की मजबूत नींव प्रदान करने पर आधाारित है।

सीखने के उपकरण

विद्यार्थियों की पुस्तकें:

यह 5 पुस्तकों का एक संग्रह है जिसकी प्रत्येक पुस्तक में 2 चरणों के सीखने की सामग्री है। इन पुस्तकों में दी गई व्याख्या और अभ्यास स्व-संचालित सीखने के विचार का समर्थन करने लिए डिज़ाइन की गई है। यह स्वतंत्र रूप से सीखने के महत्वपूर्ण परिणामों के साथ सीखने की प्रक्रिया में उत्सुकता और रूचि उत्पन्न करता है। विभिन्न प्रकार के मित्रवत कार्य, सोच आधारित गतिविधियाँ, सीखी गई अवधारणाओं और सीखने का वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग इत्यादि इन पुस्तकों में शामिल है।

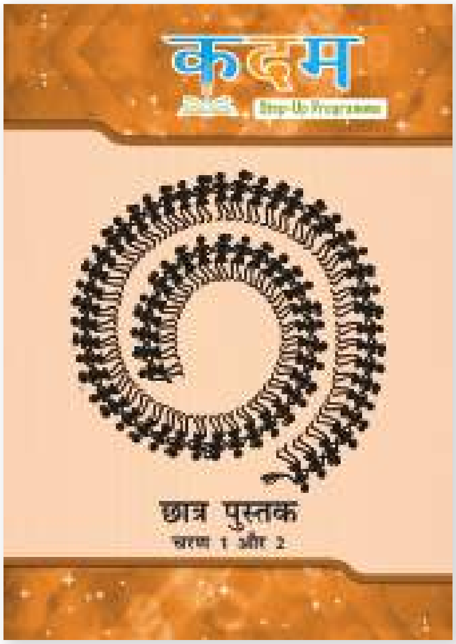

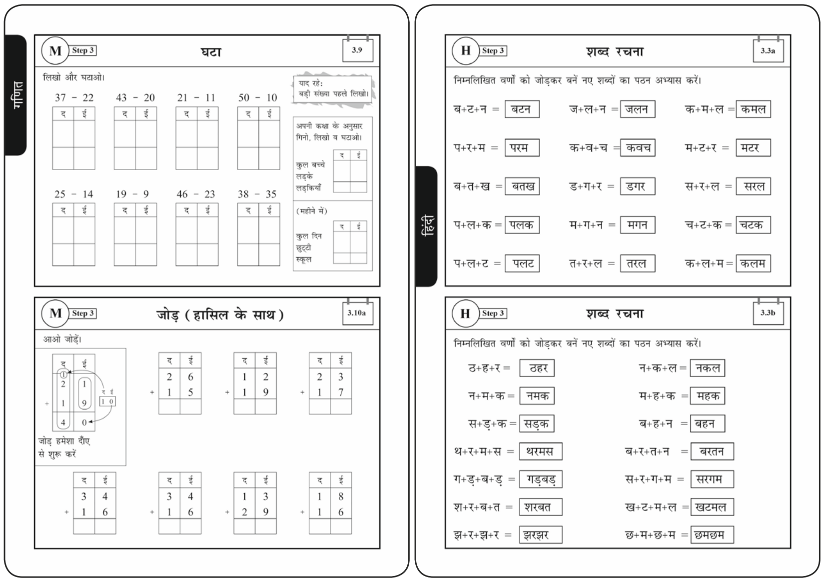

गणित

M Step 3 — घटा — 3.9

लिखो और घटाओ।

37 - 22 | 43 - 20 | 21 - 11 | 50 - 10

25 - 14 | 19 - 9 | 46 - 23 | 38 - 35

(द | ई)

याद रहे:
बड़ी संख्या पहले लिखो।

अपनी कक्षा के अनुसार गिनो, लिखो व घटाओ।
कुल बच्चे
लड़के
लड़कियाँ

(महीने में)
कुल दिन
छुट्टी
स्कूल

M Step 3 — जोड़ (हासिल के साथ) — 3.10a

आओ जोड़ें।

जोड़ हमेशा दाँए से शुरू करें

द	ई
2	1
+ 1	9
4	0

द	ई		द	ई		द	ई
2	6		1	2		2	3
+ 1	5		+ 1	9		+ 1	7

द	ई		द	ई		द	ई		द	ई
3	4		3	4		1	3		1	8
+ 1	6		+ 1	6		+ 2	9		+ 1	6

हिंदी

H Step 3 — शब्द रचना — 3.3a

निम्नलिखित वर्णों को जोड़कर बनें नए शब्दों का पठन अभ्यास करें।

ब+ट+न = बटन	ज+ल+न = जलन	क+म+ल = कमल
प+र+म = परम	क+व+च = कवच	म+ट+र = मटर
ब+त+ख = बतख	ड+ग+र = डगर	स+र+ल = सरल
प+ल+क = पलक	म+ग+न = मगन	च+ट+क = चटक
प+ल+ट = पलट	त+र+ल = तरल	क+ल+म = कलम

H Step 3 — शब्द रचना — 3.3b

निम्नलिखित वर्णों को जोड़कर बनें नए शब्दों का पठन अभ्यास करें।

ठ+ह+र = ठहर	न+क+ल = नकल
न+म+क = नमक	म+ह+क = महक
स+ड़+क = सड़क	ब+ह+न = बहन
थ+र+म+स = थरमस	ब+र+त+न = बरतन
ग+ड़+ब+ड़ = गड़बड़	स+र+ग+म = सरगम
श+र+ब+त = शरबत	ख+ट+म+ल = खटमल
झ+र+झ+र = झरझर	छ+म+छ+म = छमछम

मेरी चेकलिस्ट:

यह विषयवार दक्षताओं की विस्तृत एवं चरणबद्ध सूचि है जो अच्छी तरह से सीखने की एक प्रगतिशील शिक्षण गाइड तथा चेकलिस्ट के रूप में कार्य करती है। सभी चार विषयों को उपलब्धी संकेतों में वितरित किया गया है जिन्हें दक्षताओं के नाम से जाना गया है। ये दक्षताएं वे होती हैं जो किसी चरण विशेष पर बच्चें के शिक्षण को दर्शाती है। यह एक संरचित उपकरण है जो कि बच्चे के सीखने की इच्छा में मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है जहाँ बच्चा वांछित तरीके से अपना रास्ता बनाता है और शिक्षक के लिए मॉनिटरिंग (जाँचने) का उपकरण है, तथा यह जानने में मदद करता है कि बच्चे को सहयोग और समर्थन की जरूरत कहाँ है।

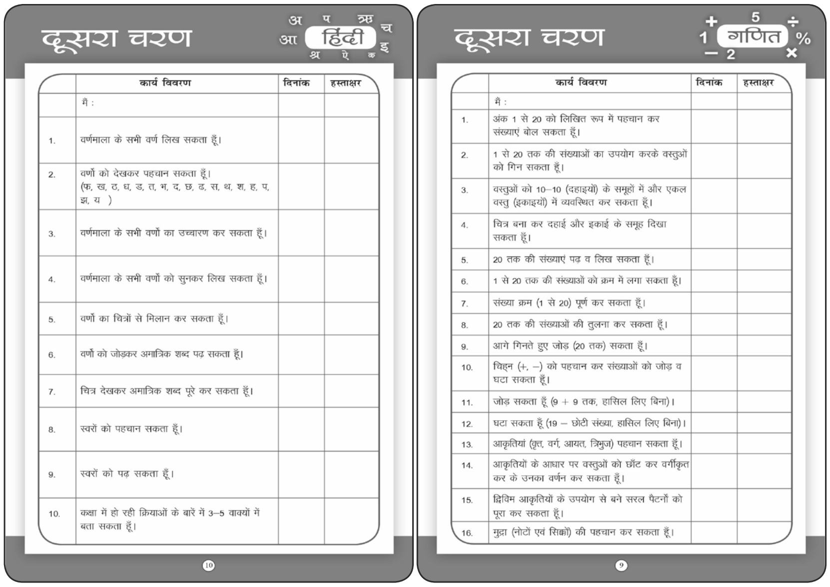

दूसरा चरण — हिंदी

	कार्य विवरण	दिनांक	हस्ताक्षर
	मैं :		
1.	वर्णमाला के सभी वर्ण लिख सकता हूँ।		
2.	वर्णो को देखकर पहचान सकता हूँ। (फ, ख, ठ, ध, ड, त, भ, द, छ, ढ, स, थ, श, ह, प, झ, य)		
3.	वर्णमाला के सभी वर्णो का उच्चारण कर सकता हूँ।		
4.	वर्णमाला के सभी वर्णो को सुनकर लिख सकता हूँ।		
5.	वर्णो का चित्रों से मिलान कर सकता हूँ।		
6.	वर्णो को जोड़कर अमात्रिक शब्द पढ़ सकता हूँ।		
7.	चित्र देखकर अमात्रिक शब्द पूरे कर सकता हूँ।		
8.	स्वरों को पहचान सकता हूँ।		
9.	स्वरों को पढ़ सकता हूँ।		
10.	कक्षा में हो रही क्रियाओं के बारें में 3–5 वाक्यों में बता सकता हूँ।		

10

दूसरा चरण — गणित

	कार्य विवरण	दिनांक	हस्ताक्षर
	मैं :		
1.	अंक 1 से 20 को लिखित रूप में पहचान कर संख्याएं बोल सकता हूँ।		
2.	1 से 20 तक की संख्याओं का उपयोग करके वस्तुओं को गिन सकता हूँ।		
3.	वस्तुओं को 10–10 (दहाइयों) के समूहों में और एकल वस्तु (इकाइयों) में व्यवस्थित कर सकता हूँ।		
4.	चित्र बना कर दहाई और इकाई के समूह दिखा सकता हूँ।		
5.	20 तक की संख्याएं पढ़ व लिख सकता हूँ।		
6.	1 से 20 तक की संख्याओं को क्रम में लगा सकता हूँ।		
7.	संख्या क्रम (1 से 20) पूर्ण कर सकता हूँ।		
8.	20 तक की संख्याओं की तुलना कर सकता हूँ।		
9.	आगे गिनते हुए जोड़ (20 तक) सकता हूँ।		
10.	चिह्न (+, –) को पहचान कर संख्याओं को जोड़ व घटा सकता हूँ।		
11.	जोड़ सकता हूँ (9 + 9 तक, हासिल लिए बिना)।		
12.	घटा सकता हूँ (19 – छोटी संख्या, हासिल लिए बिना)।		
13.	आकृतियां (वृत्त, वर्ग, आयत, त्रिभुज) पहचान सकता हूँ।		
14.	आकृतियों के आधार पर वस्तुओं को छाँट कर वर्गीकृत कर के उनका वर्णन कर सकता हूँ।		
15.	द्विविम आकृतियों के उपयोग से बने सरल पैटर्नों को पूरा कर सकता हूँ।		
16.	मुद्रा (नोटों एवं सिक्कों) की पहचान कर सकता हूँ।		

9

थीम पुस्तिका :

यह 11 थीम के संग्रह, को थीम अवधि (पीरियड) के रुप में परिभाषित किया गया है। कार्यक्रम में निहित पीरियड बच्चों को मुद्दो पर दिल और दिमाग से चर्चा, देश और दुनिया, कला और भौतिक दुनिया, संख्या और भाषाएँ इत्यादि तक सिखाया जाता है।

यह थीम पुस्तिका उस महिने के पीरियड शीर्षक के अनुसार बच्चों मे ज्ञान को व्यापक बनाने और उसके आधार पर उनके लिए अनुभव उत्पन्न करने के लिए समर्पित होती है। ना केवल किताबी ज्ञान बल्कि उससे बढ़कर यह बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित करती है और उन्हें व्यवहारिक जीवन के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

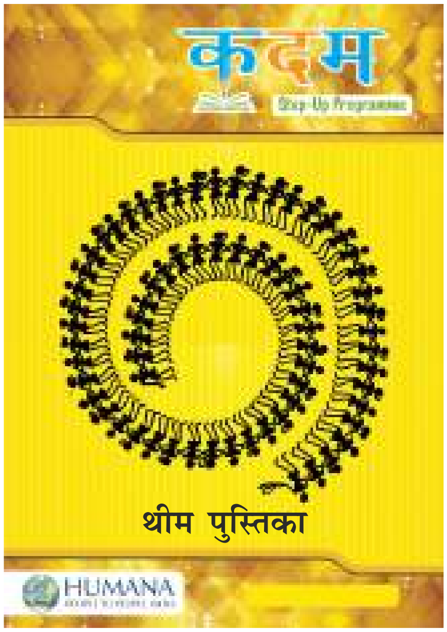

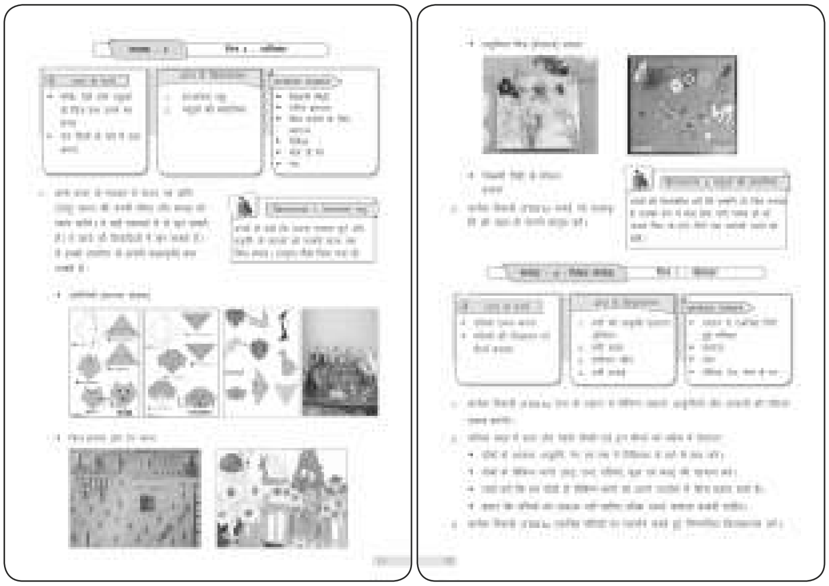

शिक्षक सहायक पुस्तिका :

शिक्षकों के लिए यह एक मददगार उपकरण है जिसमें विभिन्न विषय आधारित रणनीतियों, शिक्षण युक्तियाँ, गतिविधि और सोच आधारित प्रश्न इत्यादि इस पुस्तक में शामिल है।

यह पुस्तिका शिक्षण को सक्रिय, संयुक्त और सार्थक बनाने के लिए शिक्षक को उसके इस लक्ष्य में मदद करती है।

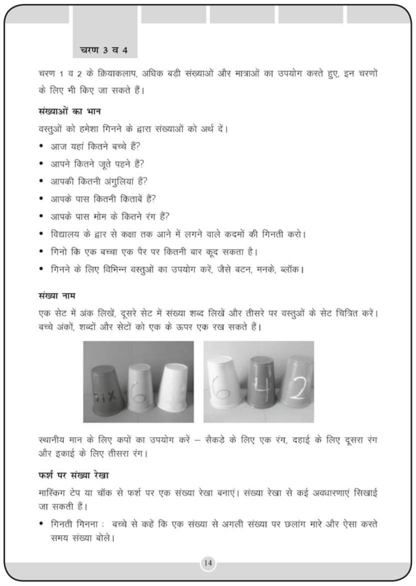

चरण 3 व 4

चरण 1 व 2 के क्रियाकलाप, अधिक बड़ी संख्याओं और मात्राओं का उपयोग करते हुए, इन चरणों के लिए भी किए जा सकते हैं।

संख्याओं का भान

वस्तुओं को हमेशा गिनने के द्वारा संख्याओं को अर्थ दें।

- आज यहां कितने बच्चे हैं?
- आपने कितने जूते पहने हैं?
- आपकी कितनी अंगुलियां हैं?
- आपके पास कितनी किताबें हैं?
- आपके पास मोम के कितने रंग हैं?
- विद्यालय के द्वार से कक्षा तक आने में लगने वाले कदमों की गिनती करो।
- गिनो कि एक बच्चा एक पैर पर कितनी बार कूद सकता है।
- गिनने के लिए विभिन्न वस्तुओं का उपयोग करें, जैसे बटन, मनके, ब्लॉक।

संख्या नाम

एक सेट में अंक लिखें, दूसरे सेट में संख्या शब्द लिखें और तीसरे पर वस्तुओं के सेट चित्रित करें। बच्चे अंकों, शब्दों और सेटों को एक के ऊपर एक रख सकते हैं।

स्थानीय मान के लिए कपों का उपयोग करें – सैकड़े के लिए एक रंग, दहाई के लिए दूसरा रंग और इकाई के लिए तीसरा रंग।

फर्श पर संख्या रेखा

मार्स्किंग टेप या चॉक से फर्श पर एक संख्या रेखा बनाएं। संख्या रेखा से कई अवधारणाएं सिखाई जा सकती हैं।

- गिनती गिनना : बच्चे से कहें कि एक संख्या से अगली संख्या पर छलांग मारे और ऐसा करते समय संख्या बोले।

14

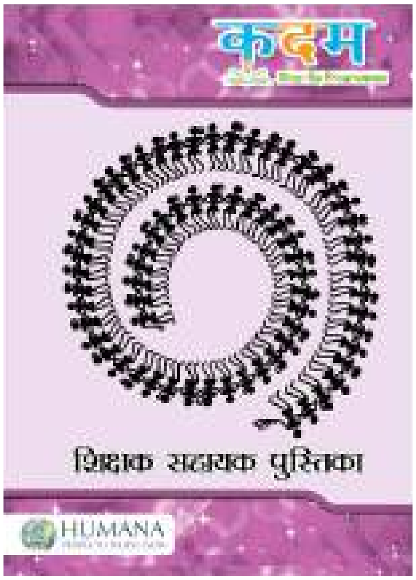

मेरी प्रगति पुस्तिका :

यह एक समेकित पुस्तक है जिसमें सभी मुल्यांकन जैसे बेसलाइन मुल्यांकन, ग्रेड एंड स्तर मुल्यांकन और एंडलाइन मुल्यांकन आदि शामिल हैं।

इस पुस्तक में बच्चे के नामांकन का विवरण भी है। पुस्तक के अंत में एक समेकित रिपोर्ट होती है जिसमें कार्यक्रम के शुरूआत से कार्यक्रम के अंत तक बच्चे के शिक्षण व प्रगति की जानकारी अंकित की जाती है। बच्चे के अवधारण (रिटेन्शन) रिपोर्ट पुस्तक के अंत में उपलब्ध है।

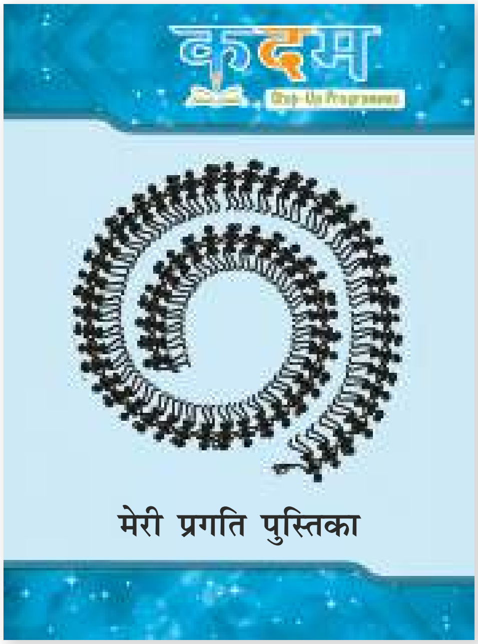

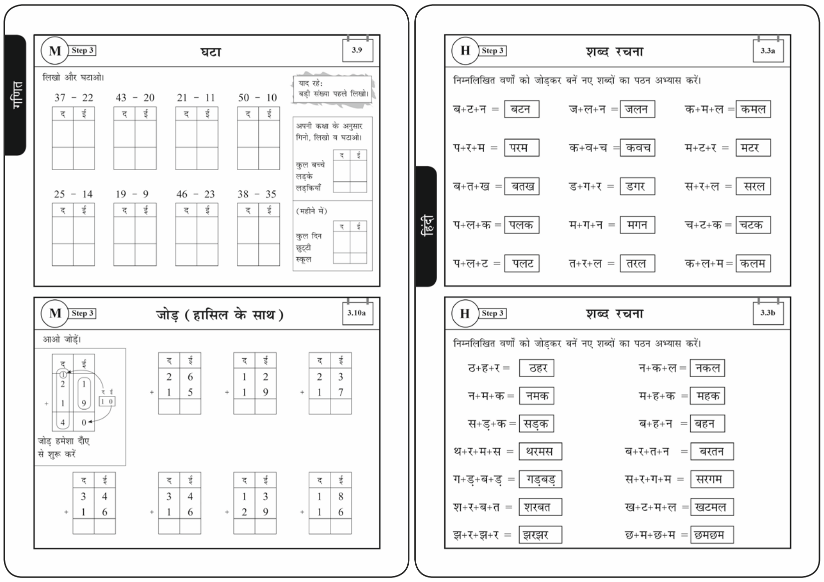

विभिन्न मुल्यांकन :

- **बेसलाइन मुल्यांकन**

  यह एक ऐसा उपकरण जिसे शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत में बच्चों के योग्यता स्तर को मापने और रिकार्ड रखने के काम में लिया जाता है। यह बच्चे के कदम कार्यक्रम में शुरूआत करने के स्तर को जांचने के लिए भी उपयोग में लाया जाता है।

- **ग्रेड एंड स्तर मुल्यांकन**

  जब बच्चा कोई एक कक्षास्तर को अर्थात दो चरणों को पूर्ण कर लेता है तो उसके अंत में छात्र का मूल्यांकन करने के लिए यह परीक्षण किया जाता है तथा यह उस कक्षा के लिए सक्षम करता है, तथा बच्चों की लगातार प्रगति की प्रतिपुष्टि भी करता है। अध्ययन के दौरान जो बच्चा विकसित होने में असफल रहा हो उन दक्षताओं की इस परिक्षण के माध्यम से पहचान की जाती है और उन पर दुबारा कार्य किया जा सकता है।

- **एंडलाइन मुल्यांकन**

  यह कार्यक्रम के अंत में आयोजित किया जाने वाला परिक्षण है। यह परिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के बाद छात्र द्वारा शिक्षण स्तर के एक संकेतक के रूप में कार्य करता है। एंडलाइन मूल्यांकन, बेसलाइन टूल के समानांतर है और छात्र की कार्यक्रम की शुरूआत के समय से वर्तमान प्रगति की लगभग सटीक तुलना करने में मदद करता है।

ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया

ह्युमाना पीपल टू पीपल इंडिया एक विकासकर्ता संगठन है जो कि शहरी व ग्रामीण इलाकों के वंचित व शोशित वर्ग के लोगों के समग्र विकास के लिए सामुदायिक विकास और गरीबी उन्मुलन गतिविधि मे संलग्न है। यह सब हासिल करने के लिए सहभागिता आधरित, शिक्षा पर केंद्रित रणनीति आधारित दृष्टिकोण, जीवन कौशल, आजीविका में सुधर, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्य करने के लिए समर्पित है।

हमारा कार्यक्षेत्र

राज्य	विद्यालय से वंचित बच्चों के लिए कदम	विद्यालय में नामांकित बच्चों के लिए कदम
	उन बच्चों की संख्या जिन्होंने कार्यक्रम पूरा कर लिया है और नियमित कक्षाओं में शमिल हो गए हैं (2016 से)	उन बच्चों की संख्या जिन्होंने कार्यक्रम पूरा कर लिया है और अपने सीखने के अंतराल को कम कर दिया है (2016 से)
हरियाणा	95,850	4,972
महाराष्ट्र	5,244	14,751
राजस्थान	191	-
दिल्ली	315	-
उत्तर प्रदेश	40,051	72,360
छत्तीसगढ़	11,647	-
उत्तराखण्ड	93	-
जम्मू और कश्मीर	152	-
मध्यप्रदेश	2,043	31,917
झारखण्ड	-	2,363
बिहार	404	8,737
योग	**155,990**	**135,100**

* दिसमबर 2023 में अपडेट की गई तालिका

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

111/9-Z, Kishangarh, Vasant Kunj, New Delhi - 110070
Tel: 011-47462222 E-mail: info@humana-india.org
www.humana-india.org